दिनांक: 9 नवंबर 2023

राष्ट्रीय कोयला सूचकांक

इस लेख में "दैनिक वर्तमान मामले" और विषय का विवरण "राष्ट्रीय कोयला सूचकांक" शामिल है। यह विषय सिविल सेवा परीक्षा के "अर्थव्यवस्था" अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए:
राष्ट्रीय कोयला सूचकांक क्या है?
मुख्य परीक्षा के लिए:
जीएस3: अर्थव्यवस्था

सुर्खियों में क्यों?

सितंबर में, वैश्विक बाजारों में कोयले की कीमतों में अस्थायी उछाल के कारण राष्ट्रीय कोयला सूचकांक में 3.83 अंक की वृद्धि देखी गई।

राष्ट्रीय कोयला सूचकांक:

- **कोयला मंत्रालय** द्वारा 4 जून, 2020 को पेश किया गया **राष्ट्रीय कोयला सूचकांक (National Coal Index (NCI))**, एक निश्चित **आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18** के सापेक्ष कोयले की कीमतों में बदलाव को दर्शाने वाले मूल्य सूचकांक के रूप में कार्य करता है।
- एनसीआई बाजार-आधारित तंत्र का उपयोग करके प्रीमियम (प्रति टन) या राजस्व हिस्सेदारी (प्रतिशत आधार) निर्धारित करता है और भारतीय बाजार में सभी कच्चे कोयले के लेनदेन को कवर करता है।
- इसमें विनियमित (बिजली और उर्वरक) और गैर-विनियमित दोनों क्षेत्रों में कोकिंग और गैर-कोकिंग कोयले के विभिन्न ग्रेड शामिल हैं, जिसमें अधिसूचित कीमतों पर लेनदेन, कोयला नीलामी और कोयला आयात शामिल हैं।
- NCI का ऊपर की ओर बढ़ना देश में आगामी त्योहारी सीजन और सर्दियों के कारण कोयले की बढ़ती मांग का संकेत देता है।
- यह प्रवृत्ति कोयला उत्पादकों को बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए घरेलू कोयला उत्पादन को बढ़ाकर बढ़ती मांग का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

भारत के कोयला क्षेत्र का एक अवलोकन

- **कोयला भंडार:**
  - भारत दुनिया के चौथे सबसे बड़े कोयला भंडार का दावा करता है, जिसका अनुमान लगभग 319.02 बिलियन टन है।
- **कोयला उत्पादन:**
  - वित्त वर्ष 2022 तक, भारत 777.31 मिलियन मीट्रिक टन के खनन उत्पादन के साथ विश्व स्तर पर कोयले का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है।
  - निकाले गए कोयले का अधिकांश हिस्सा बिजली उत्पादन के लिए समर्पित है।
- **कोयले की खपत:**
  - भारत का ऊर्जा क्षेत्र ताप विद्युत संयंत्रों के लिए प्राथमिक ईंधन के रूप में कोयले पर बहुत अधिक निर्भर करता है।
  - कोयला वर्तमान में कुल ऊर्जा उत्पादन में लगभग 70% योगदान देता है, जो भारत के ऊर्जा उत्पादन मिश्रण पर हावी है।
- **भारत में पाए जाने वाले कोयले के प्रकार:**
  - **एन्थ्रेसाइट:**
    - 80 से 95 प्रतिशत कार्बन सामग्री के साथ सर्वोत्तम गुणवत्ता वाला कोयला।
    - नीली लौ से धीरे-धीरे प्रज्वलित होता है और इसका कैलोरी मान उच्चतम होता है।
    - जम्मू-कश्मीर में कम मात्रा में पाया जाता है।
  - **बिटुमिनस:**
    - इसमें 60 से 80 प्रतिशत कार्बन सामग्री और कम नमी का स्तर होता है।

- उच्च कैलोरी मान के साथ व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।
- झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में पाया जाता है।

○ **लिग्नाइट:**
- अक्सर भूरा, 40 से 55 प्रतिशत कार्बन सामग्री रखता है।
- मध्यवर्ती चरण लकड़ी के पदार्थ के कोयले में परिवर्तन के दौरान होता है।
- उच्च नमी सामग्री, जिसके परिणामस्वरूप जलने पर धुआं निकलता है।
- यह राजस्थान, लखीमपुर (असम) और तमिलनाडु में पाया जाता है।

○ **पीट:**
- 40 प्रतिशत से कम कार्बन सामग्री।
- लकड़ी से कोयले में परिवर्तन का पहला चरण।
- कम कैलोरी मान लकड़ी की तरह जलता है।

○ **भूवैज्ञानिक वर्गीकरण**
- भारत का कोयला-धारित क्षेत्र दो मुख्य श्रेणियों में आता है: गोंडवाना और तृतीयक कोयला क्षेत्र।
- गोंडवाना कोयला भारत के कुल भंडार का लगभग 98 प्रतिशत और कोयला उत्पादन का 99 प्रतिशत शामिल है।

- **कोयला बाज़ार:**
  - भारत का कोयला बाजार 2023 में 0.90 बिलियन टन से बढ़कर 2028 तक 1.30 बिलियन टन होने का अनुमान है, जो पूर्वानुमानित अवधि (2023-2028) के दौरान 7.57% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) को दर्शाता है।
- **चुनौतियाँ:**
  - भारत में हालिया बिजली संकट ने कोयले को सुर्खियों में ला दिया है। चुनौतियों में बिजली की मांग में अचानक वृद्धि, अपर्याप्त मांग का पूर्वानुमान, परिवहन मुद्दे, वैश्विक कोयले की कीमत में बढ़ोतरी, कोयला खदान परिचालन में देरी और विलंबित भुगतान शामिल हैं।
- **भविष्य का दृष्टिकोण:**
  - जैसे-जैसे भारत अपने 2030 कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (COP 26) के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में निर्णायक कदम उठा रहा है और हरित मार्ग अपना रहा है, भविष्य के ऊर्जा मिश्रण में कोयले की भूमिका का पुनर्मूल्यांकन किया जा रहा है।
  - इसके हानिकारक पर्यावरणीय प्रभाव को संबोधित करने और कम करने के लिए पहल चल रही हैं।

स्रोत:
https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1975370

Q1. राष्ट्रीय कोयला सूचकांक (NCI) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. बाजार-आधारित तंत्र का उपयोग करते हुए, एनसीआई प्रीमियम (प्रति टन) या राजस्व हिस्सेदारी (प्रतिशत के आधार पर) निर्धारित करता है।
2. कोयला मंत्रालय द्वारा पेश किया गया राष्ट्रीय कोयला सूचकांक (एनसीआई), पिछले वर्ष के सापेक्ष कोयले की कीमतों में बदलाव को दर्शाने वाले मूल्य सूचकांक के रूप में कार्य करता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) कोई नहीं
उत्तर: (a)

Q2. निम्न कथनों पर विचार करें:
1. एन्थ्रेसाइट कोयला नीली लौ के साथ धीरे-धीरे प्रज्वलित होता है और इसका कैलोरी मान सबसे अधिक होता है।
2. गंगा के मैदानों में एन्थ्रेसाइट कोयला बड़ी मात्रा में पाया जाता है।
3. तृतीयक कोयला भारत में कुल भंडार का लगभग 98 प्रतिशत और कोयला उत्पादन का 99 प्रतिशत शामिल है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?
(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) तीनों
(d) कोई नहीं
उत्तर: (d)

Yojna IAS
चलना है तो सफलता है
yojnaias.com

Q3. भारत के कोयला क्षेत्र में पाए जाने वाले कोयले के प्रकार, उनके वितरण, उनके निहितार्थ सहित प्रमुख घटकों और चुनौतियों पर चर्चा करें।

Rajiv Pandey

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com